

बाला साहब की नीतियों पर

चल रहा शिव सेना शिंदे गुट पाकबड़ा रामलीला मैदान को लेकर कमेटी व नगर पंचायत आमने-सामने



प्राधिकारियों से बालीत करते विधायक रामवीर सिंह।

कार्यालय संचादाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह का शिव सेना के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष नन्हे चौधरी के नेतृत्व में स्वागत किया गया।

विधायक ने कहा कि शिव सेना के साथ लंबे समय से गठबंधन रहा है। चौधरी में उद्घव ठाकरे ने कांग्रेस का साथ दिया, जिस कांग्रेस ने हमेसा बाला साहब ठाकरे का विरोध किया। तब एकान्थ शिंदे के नेतृत्व में शिव चौधरी, प्रदेश सचिव रामप्रसाद प्रजापति, जिला प्रभारी मनोज ठाकर, दीपक चौधरी, विकास चौधरी, पुष्पेन्द्र चौधरी, अकुल आदि उपस्थित रहे।

सेना पुनः भाजपा के साथ जुड़ी। शिव

चौधरी, अकुल आदि उपस्थित रहे।

संचादाता, पाकबड़ा

अमृत विचार : रामलीला मैदान की नपाई करने को लेकर रामलीला कमेटी एवं नगर पंचायत की टीम आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में जमकर बहस हुई। नगर पंचायत व राजस्व की टीम नपाई कर वापस लौट गई। इसी दौरान कमेटी के लोगों ने कहा कि 70 वर्षों से यह रामलीला मैदान की जगह है।

शुक्रवार को पाकबड़ा में थाने के बाबर में बने रामलीला मैदान पर नगर पंचायत एवं राजस्व की टीम चलाएंगी। इस अवसर पर पूर्ण महानगर अध्यक्ष भाजपा मनोज गुप्ता एडोकेट, शिवसेना के जिलाध्यक्ष नन्हे चौधरी के साथ दिया, जिस कांग्रेस ने हमेसा बाला साहब ठाकरे का विरोध किया। तब एकान्थ शिंदे के नेतृत्व में शिव चौधरी, प्रदेश सचिव रामप्रसाद प्रजापति, जिला प्रभारी मनोज ठाकर, दीपक चौधरी, विकास चौधरी, पुष्पेन्द्र चौधरी, अकुल आदि उपस्थित रहे।



टीम पहुंचने पर विरोध जताते रामलीला कमेटी के लोग।

अमृत विचार

में जमकर बहस चली। कहा कि यह जगह रामलीला मैदान की है। ही इसकी सूचना रामलीला मैदान कमेटी के सदस्यों को हुई। सभी लोग इसमें क्या मामला है। इसी को लेकर तहसीलदार धीरेश कुमार नपाई करने का विरोध करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों



नपाई करती नगर पंचायत व राजस्व विभाग की टीम।

अमृत विचार

रामलीला मैदान की नपाई करने के लिए नगर पंचायत की टीम गई। किसी की गई है। 14 बीघा महानगरी नेशन सरकार ने कहा कि खत्तीनी में भी रामलीला मैदान ही दर्ज है। 70 वर्षों से दशहरे का मेला यहां पर लाला आ रहा है। इसमें नगर पंचायत की कोई जाह नहीं है। रामलीला मैदान से संबंधित ही कार्य होते हैं। बंधन योजना है इसके तहत यात्रा, अध्यक्ष नगर पंचायत पाकबड़ा। मंच बनाया जाएगा। - विजय अनंद, विडो नगर पंचायत पाकबड़ा

की जगह है ही नहीं तो नपाई किस जगह है। 70 वर्षों से दशहरे में लोगों का बात की। यह रामलीला कमेटी की आयोजन यहां पर होता आ रहा है।

खत्तीनी में दर्ज है

रामलीला मैदान, 70

वर्षों से लग रहा मेला

आदर्श रामलीला समिति के संस्थक रामबाबू भट्टनगर ने कहा कि जाह चक्रवादी के समय से ही रामलीला मैदान कागजों में दर्ज है। उनी नाम से दूरी गई थी। वाली ओर जाह रामलीला कमेटी ने खत्तीनी ओर कांटीनी का नाम की गई है। वहां जीमी रामलीला कमेटी की गई है। वहां महानगरी नेशन सरकार ने कहा कि खत्तीनी में भी रामलीला मैदान ही दर्ज है। 70 वर्षों से दशहरे का मेला यहां पर लाला आ रहा है। इसमें नगर पंचायत की कोई जाह नहीं है। रामलीला मैदान से संबंधित ही कार्य होते हैं। बंधन योजना है इसके तहत यात्रा, अध्यक्ष नगर पंचायत पाकबड़ा। मंच बनाया जाएगा। - विजय अनंद, विडो नगर पंचायत पाकबड़ा

भारी संख्या में पहुंचे हिंदू समाज के लोगों ने भी नपाई का विरोध किया।

कोहरे से धूल के कण वायुमंडल में छाए, बढ़ा प्रदूषण

महानगर में वाहनों के धूएं से भी बढ़ रहा वायु वायु गुणवत्ता सूचकांक, चार स्थानों पर ऐड जोन में पहुंचा एक्यूआई

कार्यालय संचादाता, मुरादाबाद



सुबह कोहरे में रामगंगा नदी पर बने आस्थाई लकड़ी के पुल से गुजरते लोग।

अमृत विचार

• दिल्ली रोड पर इको हर्बल पार्क क्षेत्र सावधान प्रदूषित, एक्यूआई पहुंचा 273

गई। अस्थामा व सांस के मरीजों के लिए यह संकट खड़ा हो गया। जबकि दिल्ली रोड पर बुद्धि विहार में 230, ट्रांसपोर्ट नगर में एक्यूआई 209 पर रहा।

कलीन मुरादाबाद के संकल्प को बढ़ाता वायु प्रदूषण मुंह चिढ़ा रहा है।

एक दिन महानगर में वायु प्रदूषण के खिलाफ खत्तीनी से अलग रहा। शिवायिका और सावधानी अधिकारी ने विजेता कलाकारों को पुरस्कार दिया। एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार : दिवार

एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद द्वारा आयोजित एक विधायिका और सावधानी अधिकारी ने विवेता कलाकारों के लिए एक दिन रामगंगा नदी पर वायु प्रदूषण के खिलाफ खत्तीनी से अलग रहा। शिवायिका और सावधानी अधिकारी ने विजेता कलाकारों को पुरस्कार दिया। एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार : दिवार

एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद के साथ दिल्ली रोड पर वायु प्रदूषण के खिलाफ खत्तीनी से अलग रहा। शिवायिका और सावधानी अधिकारी ने विजेता कलाकारों को पुरस्कार दिया। एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन, रेसिन, रसीदी, अनिवार कुमार, विवेता कुमार तथा विरुद्ध सहायक रुद्रवीर सिंह उपरित्थ रहे।

आर्थ समाज ने किया बंद का समर्थन

मुरादाबाद, अमृत विचार :

एक दिन,

न्यूज ब्रीफ

घटतौली करने पर होगी
कार्रवाई

कांठ, अमृत विचार : घटतौली होने पर पर गना तौल में प्रत्युत होने वाले बैरेज व सॉफ्टवेयर में छूट दाख पाए जाने पर चीरी मिल एवं सॉफ्टवेयर प्रदाता कंपनियों पर कई कार्रवाई होती है। पुरुषमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं गना मंत्री लक्ष्मी नारायण योगी के निर्देशन में व्यापक कृषक दिवं में देश के अपर मुख्य सचिव योगी उद्योग एवं गना विकास बीना कुमारी ने पेपर इसे 2025 26 के प्रारंभ से ही गना क्रूर केंद्र पर घटतौली रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए थे।

पंजीकरण के तहसील से नहीं हो रहे सत्यापन

कांठ, अमृत विचार : किसानों के धान पंजीकरण के सत्यापन तहसील से नहीं हो रहे हैं। किसानों ने सत्यापन करने की चांगी। ग्राम रुस्तमपुर निवासी किसान हरिदास राहा के हाथों धान बेचने के लिए पंजीकरण कार्रवाई था 20 दिन तक जाने के बाद भी तहसील स्तर से अधिकारी कर्मचारियों ने धान बेचने के पंजीकरण का सत्यापन नहीं किया है।

हादसे में दंपती समेत बच्चियां घायल

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार : कुंदरकी बाहिपास जीरो पॉइंट के पास ससुराल से लौट रहे कारपेट की बाइक को पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लागे ही बाइक सवार दंपती तीन बच्चियों के साथ सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। राहीरों ने इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग व पुलिस को दी और घायलों को तक्काल समुदाय स्वास्थ्य केंद्र कुंदरकी पहुंचाया।

हादसे में घायल युवक और उसकी बच्चियां।

• अमृत विचार



• पुलिस टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश में जुटी

रहा था और अपने गांव चंगेरी को जा रहा था कुंदरकी के पास पहुंचने पर अज्ञात कार चालक ने उसकी बाई को टक्कर मार दी और घायल को टक्कर सवार दंपती तीन वर्षीय बेटी फतिमा 4 वर्षीय तमना और 2 वर्षीय आयरा के साथ ससुराल पालनपुर से आ

है और मामले की जांच की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध घायल

थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बुजुर्ग व्यक्ति की साइकिल को ट्रक ने टक्कर मार दी गोपीनंत यह रही की साइकिल चढ़ित बुजुर्ग दूर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को कुंदरकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, वहाँ मैं गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया घायल बुजुर्ग कर्यालय (73) निवासी ग्राम अद्भुतलालूर बताया गया। वह मोहनपुर पटेल धूप से डीलत लेने के लिए आ रहे थे, हादेस

दो भाइयों से मारपीट के मामले में रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में दो भाइयों को मारपीट कर घायल करने के मामले में थाना पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना कांठ के ग्राम भागीजोत निवासी भोले सिंह बड़े भाई हर स्वरूप सिंह के साथ 9 दिसंबर को शाम 4:30 बजे स्थान की जुराई करने गए। तभी गांव के प्रकाश कुमार, विक्रांत सिंह विवाह सिंह ने उनके साथ गांवी गोलीज शुरू कर दी। जब हर स्वरूप सिंह ने गांवी देने को माना किया तो आरोपियों ने उनके साथ लाती डंडों से मारपीट की और गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों को लेकर परिजन थाना काठ पहुंचे और पुलिस को तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर घायलों को उपचार के लिए आ रहे, हादेस शबनम तीन वर्षीय बेटी फतिमा 4 वर्षीय तमना और 2 वर्षीय आयरा के साथ ससुराल पालनपुर से आ

रामगंगा नदी से पकड़ी गई मछलियां।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

सुवह रामगंगा नदी में मछली पकड़ते लोग।

• नदी में जिंदा के साथ बड़ी संख्या में मरी मछलियां भी आई

में लोगों की भीड़ नदी में मछलियां देखकर पकड़ने के लिए जुट गए।

नदी में अचानक इनी संख्या में मछलियां देखकर लोगों को हैरत भी हुई तो इसका सेवन करने वालों की तो मानो बहार आ गई। वह पानी में उत्तर कर पकड़ने में जुट गए।

उत्तर कर मछलीयां पकड़ने में जुट गए। कई मछुआरे भी जाल लेकर पानी की आओं की जांच की जाती है। सीएल गुप्ता भी उत्तर कर पकड़ने में जुट गए।

हालांकि कई लोगों ने किसी केमिकल के चलते मछलियों के मने

उत्तर कर मछलीयां देखकर लोगों को हैरत भी हुई तो इसका सेवन करने वालों की तो मानो बहार आ गई। वह पानी में उत्तर कर मछलीयां पकड़ने में जुट गए।

केमिकल के लिए आ रहे, हादेस

किनारे सुवह अचानक बड़ी संख्या

पकड़ने के लिए लूट मच गई।

जाम में घंटों फंसे रहे वाहन चालक

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : स्योहारा व रत्पुरा मार्ग पर शुक्रवार को ओवरलोड वाहनों और बे-तरीती चल रहे इ-रिक्शाओं के कारण भयंकर जाम लग गया। जाम की स्थिति इनी भीषण रही कि साइकिल, बाइक सवार ही नहीं, बल्कि पैदल यत्रियों तक को निकलने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। तिकोनिया पार्क से लेकर रत्पुरा मोड़ तक कई घंटे तक जाम लगा रहा। वहीं कठीरी दौरा तिराहा, कमलपुरी चौराहा, रामपाल द्वारा से लेकर रत्पुरा मोड़ तक पुलिसकर्मियों को जाम खुलवाने में पसीने छूट गए।

जाम के दौरा इ-रिक्शा चालकों ने सङ्करण रही है। इसमें घमूर गंद गजनवी हिंदुओं, बौद्धों, जैनों और यहाँ तक कि इस्लाम को मानने वाले अलग-अलग संप्रदायों सहित काट रहे हैं।

इसमें घमूर गंद गजनवी हिंदुओं, बौद्धों, जैनों और यहाँ तक कि इस्लाम को मानने वाले अलग-अलग संप्रदायों के खिलाफ काट रहे हैं।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

जाम की स्थिति इनी भी जांच जानी चाही जाती है।

न्यूज ब्रीफ

ओवरब्रिज से बाइक
फिसली युवक घायल

हसनपुर, अमृत विचार: अलीगढ़ मार्ग पर गांग परसासरे ओवरब्रिज के नीचे कर्मचारी निवासी मंडरोला बाइक फिसलने से घायल हो गए। कर्मचारी गुरुवार दरें रात रहना थाना क्षेत्र के हाकमपुर गांव से बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे बाइक ओवर ब्रिज के नीचे पहुंचने पर पहुंची अधारक फिसल गई जिससे वह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एलोस ने कर्मचार को नगर के सीएचसी में भर्ती कराया, जहाँ से प्रायमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

**उत्कृष्ट कार्य करने पर
किया सम्मानित**

मंडी धनोरा, अमृत विचार: इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में आयोजित इंटररेसेन्स इंस्टीट्यूट रैकिंग फ्रेमवर्क संस्था की ओर से आईसीआपएस कानूनरेव 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें भवित्व उत्कृष्ट शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर के हीरा रोड इंटरनेशनल स्कूल को अवार्ड एवं प्रशस्ति पद देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कृपिल कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर यह अवार्ड कृष्ण कुमार अग्रवाल एवं प्रबंधक संघेश कुमार गुरुता ने इस सम्मानित किया गया। अग्रवाल ने शिक्षकों के कारोबार के लिए तत्त्वीय कार्य का इतनार है। महिला उसके साथ रहने की जिद पर अड गई। माग पूरी नहीं होने पर पुलिस से शिकायत करने की धमकी दी। इस मामले के निराकारण के लिए तत्त्वीय कार्य को इतनार है। महिला के अनुभव पुजारी काफी समय से उसके साथ पति की तरह रह रहा है। पुजारी की पत्नी को इस बात जानकारी होने पर घर में झगड़ा शुरू हुआ तो उसने पती को किसी तरह समझ लिया वर दोनों के साथ रहने लगा। इस बात की युवक कुछ दिन पहले पुजारी ने महिला के साथ रहने से मना कर दिया। वर्षा मोहल्ले में फैली तो पंचायतों का दीर शुरू हो गया। अब महिला पुजारी के साथ हो रही की जिद पर अड़ी है। महिला का आरोप है कि पुजारी ने पिता की जगह उसके बच्चे के आधार कार्य पर आना नाम लिखवा दिया है और अब साथ रहने से मना कर रहा है।

ज्योति कलश यात्रा का नगर में किया स्वागत

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में शुक्रवार को ज्योति कलश यात्रा के नगर में पहुंचने पर भक्तों ने स्वागत किया।

नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा कलश यात्रा ज्योति के विधान से पूजन कर कलश यात्रा का शान्तिमय किया। कलश यात्रा नगर के रहना बस स्टैट चौहार से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों पर भ्रमण करती नगर के झारखंड महादेव भट्टनगर, अनिल शर्मा, शिशुपाल सिंह, महिपाल, धर्मपाल, छत्रपाल, धर्मेंद्र, कुसुम, ममता, अंजलि सहित कारियर बना रहे हैं। ज्योति कलश यात्रा का नगर में कई स्थानों पर भक्तों द्वारा पूज्य

वर्षा कर स्वागत किया गया। वर्षा कलश यात्रा के दौरान 51 महिलाएं पाले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। जिससे नगर बनाने वाला गजरौला शहर विहारी जागीर अब देशभार और विदेशों में पौधों की नसरी के नाम से मशहर हो रहा है यहाँ कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार होते हैं। यह खुशबूदार पौधे देश के कई राज्यों विदेश में जाकर शोभा बढ़ा रहे हैं।

क्षेत्र के युवा व शहर के लोग अन्य कारोबार छोड़कर नेशनल हाईवे व स्टेट हाईवे किनारे स्थित पौधों की नसरी का कारोबार करके बाबाना को जगाने का है। कलश यात्रा में चेयरमैन राजपाल सैनी, दिनेश अग्रवाल, अमित शर्मा, पंकज भट्टनगर, अनिल शर्मा, शिशुपाल सिंह, महिपाल, धर्मपाल, छत्रपाल, धर्मेंद्र, कुसुम, ममता, अंजलि सहित कारियर बना रहे हैं। यहाँ चंपा, बोतल पाम, खोसकटल पाम, एरिका



नसरी में तैयार होते पौधे।



● अमृत विचार

पाम, फोनिक्स पाम, केजोरिना, बोतल ब्रुश, एलपिनिया, डाफकेना, डाफेना, फाइक्स पांडा, बैंजीनो व खजूर के पौधे हैं। शहर की नसरीयों

में 250 प्रजाति के पौधे मौजूद हैं। इनकी शुरुआती कीमत पांच रुपये से लेकर दो लाख रुपये की कीमत तामिलनाडू समेत कई राज्यों में भी पौधे जाते हैं। शेष नहीं से लेकर

में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का

कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ साथ पश्चिमी बंगला, कर्नाटक, तमिलनाडू समेत कई राज्यों में भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। देश के कई राज्यों में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व जनपद में पौधों की नसरी का कारोबार तजी से बढ़ रहा है। यहाँ भी कई सौ प्रजातियों के पौधे तैयार किए जाते हैं। देश के मार्गले में दुबई के विभिन्न मॉल की शोभा खुशबूदार पौधे देश के प्रत्येक राज्य भी शहर के खुशबूदार फूलों के पौधे भी जो रहे हैं। सबसे ज्यादा मार्ग महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश

न्यूज ब्रीफ

सङ्केत हादसे में पिता

पुत्र घायल

चंदौली, अमृत विचार: थाना बिलारी क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर बरीती राजेश कुमार शुक्रवार दोपहर डेंडर वर्षीय बेटे अवधीन के साथ बस अड्डे पर बाइक से साथ बाहर ले जा रहा था। जैसे ही वह बस अड्डे के पास पहुंच तो साथ में से एक दूसरे गांव राजेश के उसकी बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह और उसकी बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन राजेश को निजी वाहन से चंदौली सीधी राजेशी लेकर आए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दो पक्षों में चले लाठी डंडे, तीन लोग घायल

बबराला, अमृत विचार: गुनोर कोलावी क्षेत्र के गांव मखदुमपुर में शुक्रवार सुबह गली से निकलने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मारपीट के एक खड़े की सास-बहू, और दूसरे पक्ष की एक गांवी घायल हो गई। गांवी निवासी नानकशी ने बताया शुक्रवार सुबह 7 बजे वह गली से गुजर रही थीं और उनकी पुत्रवृधा भारती धर के बाहर सकारात्मक रही थीं। इसी दौरान गांव के उत्तरी लोगों ने अपति जीताने पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। और यादों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

अवैध खनन करते चार

ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

संभल/ओडीरी, अमृत विचार: श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव उल्लास और भवित्व भाव के साथ मनाया गया। कथा व्यास पंडित त्रिशान्त कृष्ण महाराज ने नंद बाबा के घर में हुए उत्सव का अत्यंत परिवहन कर रहे थे। गांवी निवासी नानकशी ने अपति जीताने पर पुलिस चौकी के बाहर आवाहन दिया। सभी वाहनों को मढ़न पुलिस चौकी, थाना असमोली में सुरुपूर कर दिया गया। जिससे जानी और भारती के सिर में चोटें आईं। वहीं दूसरे पक्ष की विशेषी अजली भी घायल हो गई। स्वत्राना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यादों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

व्याध खनन करते चार

उपद्रवियों के फेंके गए पत्थरों से बनी पुलिस चौकी का उद्घाटन

हिसा प्रभावित मोहल्ला दीपा सराय में पुलिस चौकी के उद्घाटन के अवसर पर किया गया दुर्गा सप्तशती महायज्ञ का आयोजन, गुजरात वैदिक मंत्र

कार्यालय संवाददाता, संभल

• डीएम राजेंद्र पैसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्वाई ने 9 साल की मुस्लिम बच्ची जुनैरा के काटवाया फौटो

• पुलिस चौकी निर्माण में इस्तेमाल की गई 24 नवंबर को हिसा में उपद्रवियों की ओर से पुलिस पर फेंकी गई ईंटें



पुलिस चौकी के शिलापत्र का लोकार्पण करते डीएम राजेंद्र पैसिया व एसपी के के विश्वाई।



संभल के दीपा सराय में बनकर तेयर हुई दो मंजिला पुलिस चौकी।

पुलिस चौकी से 18 हिस्ट्रीशीटर पर रहेगी नजर

दीपासराय में बनाई गई पुलिस चौकी को लेकर एसपी कृष्ण कुमार विश्वाई ने कहा कि अनेक लोग समय में यह चौकी का नाम व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस चौकी क्षेत्र में 18 से अधिक हिस्ट्रीशीटर रहते हैं, जिन पर अब सीधी निवासी रखी जा सकती। वहीं आतकी गतिविधि व अन्य अपाराधिक कूर्यांकों को लेकर भी पुलिस मजबूती से अनान काम करेगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह इलाका सिर्फ सामान्य अपराधियों की ही नहीं, बल्कि अतंकदारियों की जांडूदीनी वाली भी रहा है। अल-कायदा इंडियन सेक्यूरिटी एन्ड जुड़री आतकी इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं। एक और आइएसीएस का वीफ मेलाना आसाम उपर, जो अपेरेटी ड्राइव स्टाइक में मारा गया था, वह भी इसी क्षेत्र का निवासी था। इसके अलावा दीपासराय का मोहम्मद उस्मान इस समय पाकिस्तान की लाहोर जेल में बंद है। ऐसे संवेदनशील माहिल में पुलिस चौकी का नियांग छेद जल्दी रहा, था, कि असामाजिक और देश विशेषी गतिविधियों पर समय रुक्ते रोक लगाई जा सके। उन्होंने बताया कि चौकी के नियांग में वही पराये उपचारों के लिए एसपी के नियांग एवं अपति जीताने के दौरान पत्रवाया को पुलिस पर फेंका था। अब उन्होंने पत्थरों से खड़ी घायली क्षेत्र की सुरक्षा का नाम आधार बनेगी। पुलिस आम अदामी की सुरक्षा के लिए है, इसी संदर्भ को लेकर भी रखा गया है।

जिन्हें उन्होंने बताया कि चौकी के नियांग में वही पराये उपचारों के लिए एसपी के नियांग एवं अपति जीताने के दौरान पत्रवाया को पुलिस पर फेंका था।

का स्वागत किया और कहा कि गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। उद्घाटन का कार्यक्रम इससे कानून व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को सुरक्षा व सहायता आसानी से मिल सकेगी।

भागवत में नंदोत्सव के जयकारों से गुंजा परिसर

संभल/मनोला, अमृत विचार:

श्रैमद् भागवत कथा के चौथे दिन



कथा सुनाते पं. विश्वानंद कृष्ण महाराज।

पंडित विश्वानंद कृष्ण महाराज ने

कहा कि भगवान श्रीकृष्ण युगो-

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आनंद लेते दिखे। जन्मोत्सव के दौरान खबर मिटाई, खिलानै, टॉफियां और प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने एक दूसरे को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं भी दीं। कथा व्यास

पंडित विश्वानंद कृष्ण महाराज ने

कहा कि श्रीकृष्ण की जीवन प्रेरणा, अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से श्री

कल्पित विश्वानंद कृष्ण महाराज ने

कहा कि भगवान श्रीकृष्ण युगो-

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आनंद लेते दिखे। जन्मोत्सव के दौरान खबर मिटाई, खिलानै, टॉफियां और प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने एक दूसरे को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं भी दीं। कथा व्यास

पंडित विश्वानंद कृष्ण महाराज ने

कहा कि श्रीकृष्ण की जीवन प्रेरणा, अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र और धाम निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भेंट की।

अंग-वस्त्र औ

शनिवार, 13 दिसंबर 2025

अवसर और चुनौती



धर्म एक ही है, यद्यपि उसके सैकड़ों संरक्षण हैं।

- जार्ज बर्नाड शा, इंग्लिश विचारक

आरावली पहाड़ियों पर बढ़ता संकट व सुप्रीम कोर्ट



पंकज वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

मतदाता सूची की गढ़दता ने अपनी भी चुनाव की विश्वसनीयता की रोध है। मुख्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की मांग पर चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राज्य में एसआईआर की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने का फैसला भले सरल प्रशासनिक निर्णय प्रतीत हो, पर इसके प्रभाव बहुत व्यापक और बहुस्तरीय हैं। मतदाता सूची की शुद्धदता सुनिश्चित करने का लक्ष्य जितना आवश्यक है, उतना ही कठिन भी और इसीलिए यह समय वृद्धि महत्वपूर्ण अवसर के साथ चुनौती भी है।

यह तो बहुत स्पष्ट है कि यह इसका उत्पोग पूरी गंभीरता से हो प्रभाव पड़ेगा। प्रदेश के सभी जिलों से पिनी रिपोर्टें संकेत देती हैं कि फैल्ड सत्यापन में कई क्षेत्रों में दरी थी, कुछ स्थानों पर अनुपस्थित मतदाताओं की पहचान अपूर्ण थी और मृतक मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी धीमी चल रही थी। दो सप्ताह का अतिरिक्त समय इन खामियों को दूर करने का अवसर देगा और इससे सूची की शुद्धदता में उल्लेखनीय सुधार आ सकता है।

विशेषकर घनी आवादी वाले जिलों, शहरी स्लम क्षेत्रों, प्रवासी मजदूरों के अंतर्लोग और बाढ़-सूख प्रभावित इलाकों में, जहां सत्यापन सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। इस समय वृद्धि से एसआईआर और समय वृद्धि में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

एक सवाल यह भी है कि क्या इतनी विशाल जनसंख्या वाले सूबे में अधिकारी और समय की मांग कर सकते हैं? संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हर विहानसभा क्षेत्र में 8-10 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित हैं। ये वो लोग हैं जो या तो दूरे राज्यों में काम करते हैं, या स्थानांतरित हो कुक्के हैं, या पता बदल चुके हैं। यदि इनका सत्यापन अधूरा रह गया, तो रिट्यू चुनावी गड़बड़ियों और फैजी मतदातान की आशकों को बढ़ा सकती है, क्योंकि फैजी वोटिंग और मृत मतदाताओं के नाम से मतदाता की आशंकाएं अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

मुख्यमंत्री का यह बयान कि विषय मृत या अनुपस्थित नामों पर बोट अपने खाते में डलवाल सकता है, राजनीतिक चेतावनी भी है और प्रशासनिक सावधानी भी। सिद्धांतः यह संभव तो है, पर तभी जब सूची में कमियां रह जाएं। तकनीकी निगरानी और आधार-टिकिंग के बावजूद, यदि फैल्ड स्टर पर छींडा हुई तो यह खामी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। अतः यह बयान अधिकारियों पर यह दबाव भी डालता है कि कोई चूक न रह जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं जिले में अधिकारियों को फैल्ड में जाकर गायब, विस्थापित और अनुपस्थित मतदाताओं को खोज कर आदेश दिया है। युपैथियों को मतदाता सूची से दूर रखने के लिए 'डॉ-टू-डॉर सत्यापन, डिनिल फॉमों' की ट्रैकिंग, आधार-मतदाता फॉटो क्रांस-मैचिंग, और संदिग्ध इलाकों की विशेष जांच करवानी आवश्यक होगी। कुल मिलाकर इस बढ़े समय का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जो प्रशासनिक मशीनों में जबाबहोंही बढ़े, तकनीकी तथा फैल्ड-दोनों स्तरों पर सत्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मतदाता सूची चुनाव की नींव है। नींव मजबूत होगी तो लोकतंत्र भी तकतवर होगा।

प्रसंगवथा

कालबेलिया बेटियों ने बदली रुद्धिवादी सोच

कालबेलिया समाज की कहानी जितनी रंगीन दिखाई देती है, उसकी परतों में उतना ही गहरा दर्द, उपेक्षा और संघर्ष छिपा हुआ है। यह वही समाज है, जहां कभी बेटी का जन्म होना स्वयं में एक बोझ समझा जाता था। गरीबी, आजीविका के अधाव और सामाजिक असुरक्षा ने इस सोच को इन्हाँ गहरा बना दिया था कि कई बार बेटियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था। यह कोई सामाजिक परंपरा नहीं थी, बल्कि हालांकि कोई जन्म भवित्व और पितृसत्तात्क मानसिकता का परिणाम थी। समाज में यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी थी कि बेटा वंश का बाहक है, कमाने वाला है और बुढ़ापे का सहारा बनेगा, जबकि बेटी पराया धन है, जिसे पाल-पोस्कर अंतः दूसरे घर भेज देना है। इसी असमान सोच ने लैगिंग भेदभाव

को जन्म दिया, जिसकी कीमत कई मासूम बेटियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आय के स्थायी साधन के अधाव और इस सोच को और मजबूत किया।

कालबेलिया समुदाय परंपरागत रूप से धूमंतु रहा है। उनके दोने एक स्थान से दूरसे स्थान तक लगते रहे और जीवन सांप पकड़ने, बीन बजाने, जहर निकालने, सुमा बनाने और तमाम दिखाने के ईंग-गिरंग धूमता रहा।

महिलाएं घर-घर कर भिक्षा मांगती थीं और उसी से परिवार का पोट पलाया था। ऐसे अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपारी के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी परंपरा भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सौदे का हिस्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई।

साल 1972 में जब वन्य जीव संरक्षण अधिनियम लागू हुआ और साप पकड़ने तथा उनके प्रदर्शन पर रोक लगी, तब कालबेलिया समुदाय की जीवनशैली एकदम बदल गई। रोजगार का मुख्य साधन छिन गया और सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा, जो घैले से ही हाशिए पर थीं। यही संकट लिए एक अवसर भी बनकर आया। महिलाओं ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैली को अपनाया, उसे हसहाँ और मर्जनों तक पहुंचाया। कालबेलिया नृत्य, जो कभी सिर्फ समुदाय के भीतरी भाग में रहा था, अब सात समुद्र पर अपनी पहचान बना चुका है। इसकी विशिष्ट लाय, भाव-भंगिमा और पारंपरिक वेशभूषा ने दृश्याना का ध्यान अपनी ओर खींचा।

अंतः इस नृत्य को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विवासत की सूची में शामिल कर लिया गया।

यह गौरवपूर्ण पल पूरे भारत के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन इसके पांच जिन हाथों की मेंहनत और साधना थी, वे हाथ स्त्रियों के थे।

उन्हीं स्त्रियों के, जिन्हें कल तक मंच पर आने की इच्छा नहीं थी, जिन्हें पर्णे और परंपराएँ में कैद करके रखा गया था। गुलामों से परेशान जीवनी भी थीं और इसकी विविधताएँ उन्हें बदल दी गईं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

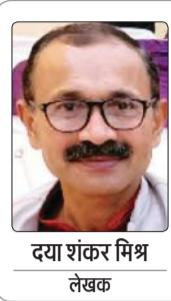
कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएँ एक विवराधारा की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उनसे संस्कृति की बंदियों की शिकार भी। उनके नृत्य को वराही भी नहीं देते हैं।

आगाने

ज

ब से मैंने आचार्य चतुरसेन शास्त्री की चर्चित ऐतिहासिक पुस्तक सोमनाथ को पढ़ा, मेरे मन में ये आस जाग उठी कि आतायी महमूद गजनवी द्वारा लूटे और विघ्वांस किए गए मंदिर में विराजे प्रभु सोमनाथ जी के दर्शन को समय मिला तो जरूर जाऊंगा। बाबा-दादा से सुना था कि सबसे पहले सोमनाथ मंदिर का निर्माण सोने से चंद्रदेव (सोमराज) ने बाद में पुनर्निर्माण रावण ने चांदी से, भगवान् कृष्ण ने लकड़ी से और राजा भीमदेव ने पथर्थों से करवाया था। इतना सब सुनने के उपरांत मानव मन में उस पवित्र स्थल के दर्शन करने की भावना बलवती होना स्वाभाविक है। मुझे श्री सोमनाथ जी के दर्शन का सौभाग्य बदा था। शाम के समय हम लोग पहले से बुक किए हुए श्री सोमनाथ द्रष्ट द्वारा संचालित विश्राम स्थल पर पहुंचे। कम पैसे में वहाँ की उत्कृष्ट व्यवस्था और साफ सफाई देखकर हम लोग दंग रह गए।

दया शंकर मिश्र
लेखक

सोमनाथ की अविस्मरणीय यात्रा

हम सभी के मन में श्री सोमजी के दर्शन की इतनी उत्कृष्ट थी कि जल्दी ही नहा धोकर वहाँ से लगभग एक किमी दूर स्थित मंदिर पहुंच गए। बाहर से ही मंदिर की विशालता और शिखरों की नवकारी देखकर मन-मयूर नर्तन करने लगा। मंदिर की सुरक्षा में तैनात सिक्युरिटी के नियमों का पालन करते हुए हम लोग पंक्तिबद्ध होकर मंदिर के अंदर पहुंचे तो आरती का समय हो रहा था। इसके उपरांत पट बंद हो जाते हैं, जो दूसरे दिन प्रातः खुलते हैं।

दोबारा दर्शन करने का बाद हुई संतुष्टि

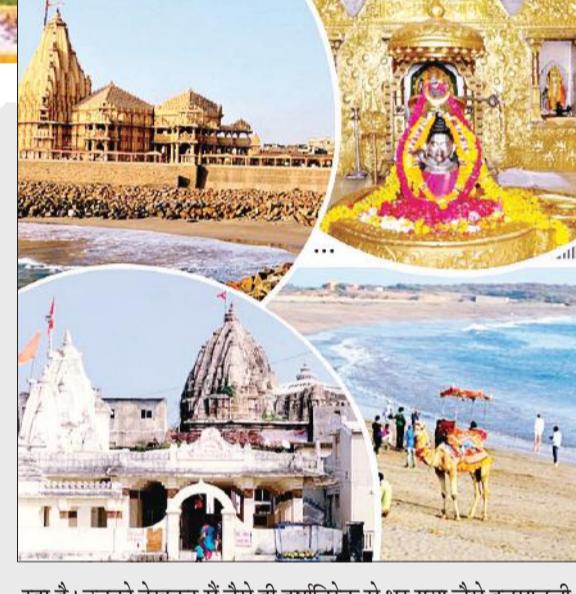
मंदिर में पुरुषों और महिलाओं के दर्शन हेतु जाने एवं निकलने के लिए पुथक-पुथक लाइन थी। महिलाएं समूद्र की ओर स्थित द्वार से दर्शन के उपरांत बाहर जा रहे थे। आशा के विपरीत प्रभु सोमनाथ जी असीम क्रपा से हम लोगों को बहुत ही आराम से श्री सोमजी के विशाल ज्योतिरिंग के दर्शन हुए। एक बार दर्शन से मन नहीं भरा और बाहर निकलकर मैं पूजन लाइन में लग गया। दोबारा जी भरकर उनकी प्रतिमा को देखा, तो मन में संतुष्टि हुई। आरती अभी चल रही थी, भक्त करावबद्ध हर-हर महादेव निनाद करते हुए दर्शन कर रहे थे।



जब भाभीजी बिछड़ गई

हम सब लोग बाहर निकलकर पहले से तथ स्थान पर एक दूसरे से मिले। वहाँ पर मैं, भाई साहब और मेरी पत्नी तो आ गई, लेकिन भाभीजी का कहीं अता-पता नहीं था। दिन भर के सफर से हम लोग काफी थक चुके थे, लेकिन बड़े भाई की पत्नी की तलाश आवश्यक थी। मैं और भाई साहब उनको ढूँढ़ने हुए हनुमान जी की तरह मंदिर के एक दो चबकर लगा आँ, परंतु वे नहीं मिले। सभी बड़े पश्चात्रों में थे कि वे आखिर हैं कहाँ। हम लोग एक तरफ बैठे गए और भाई साहब से कहा कि आप दूसरी तरफ बैठिए। बाहर निकलने के दो ही गास्ते हैं। मिलेंगी जरूर। इतने में मिले वे विछाड़ की तरफ से एक सज्जन कंधे में झोला डाले हुए आए। मैं पहले और श्रीमती जी मेरे बाद बैठी थी। उनको देखते ही न जाने के से देख ऊपर उठ गए और उन्होंने मुझे कपड़े के छोड़े थैले में एक लड्डू पकड़ा दिया। श्रीमती जी ने भी हाथ बढ़ाया, लेकिन वे किसी को भी प्रसाद दिए विना आगे बढ़ गए। मैं अवाक था, केवल मुझे ही प्रसाद मिला। जब तक स्थिर होता, कुछ विचार करता थे आगे जाने कहाँ निकल गए। मैं उनको ठीक से देख भी नहीं पाया। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि मुझे अकिञ्चन को प्रभु सोमनाथ ही तो प्रसाद देने नहीं चले आए थे।

इसके उपरांत मैंने एक चबकर मंदिर का और लगाने का निश्चय किया। समूद्र की तरफ स्थित द्वार के पास पहुंचते ही देखा कि भाभीजी मंदिर की दीवारों में उत्कीर्ण देव प्रतिमाओं की श्रद्धापूर्वक चरण वंदना, पूजा-अर्चना कर रही थीं। वे इस कदर भक्ति में लौन थीं कि उनको हाथ ही नहीं थी कि वे किसी के साथ आई हैं, कोई उनका इंतजार कर



रहा है। उनको देखकर मैं वैसे ही हथातीरेक से भर गया जैसे हनुमानजी मां सीता को अशोक वाटिका में पाकर खुश हुए थे। मैंने उनकी पूजा में बाधा उत्पन्न करते हुए ईश्वर आराधना में लौन उनके मन को वापस धरातल पर लाने हेतु आवाज दी और सूचित किया कि मंदिर बंद होने वाला है, हम लोगों को वापस चलकर भोजनादि करना है।

दूसरे दिन प्रातः: हम लोगों ने पुक़: दिव्य दर्शन किए और आसापस के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर दोहरा में वापसी के लिए समीप ही वेरावल स्थित रेलवे स्टेशन से बंदेभारत पकड़ ली। जल्दबाजी में की गई यह यात्रा कई मायनों में अविस्मरणीय बन गई। रास्ते भर उन दर्शनार्थ आने को सोचता हुआ मैं श्रीसोमजी के ख्यालों में खो गया।

जॉब का पहला दिन

मरीजों का उपचार कर खुद को गौरवान्वित महसूस किया

वर्ष 2010 मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत लेकर आया। एलएलआरएम मेंटिकल कॉलेज, मेरठ से मेंटिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे साथ से नियुक्त पत्र मिला और मेरी पहली तैनाती शाहजहांपुर जिले के तिलहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचपी) में बैठकर मेंटिकल अफर हुई। यह मेरी नौकरी का पहला दिन था। एक ऐसा दिन जो आज भी स्मृतियों में उतना ही ताजा है। जब मैं सीएचपी के परिसर में प्रवेश कर रहा था, तभी ओपीडी के बाहर मरीजों की भारी भीड़ देखकर क्षणपर के लिए मन कुछ संकेत से भर गया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मरीजों को संभालने का अनुभव था, लेकिन इनी बड़ी संख्या एकत्र में सामने आना मेरे लिए बिल्कुल नया था। ऐसे में यह जिमेदारी निभा पाऊंगा? क्या मैं इन लोगों के लिए कुछ सार्थक कर सकूँगा? इनी विचारों के बीच चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. संजय अवाल से मिला। उहने मुस्कुराकर मेरा स्वापन किया, कागजी औपचारिकताएं पूरी कराई और मुझे शुभकामनाएं दीं। उनके आस्तीन व्यवहार ने भी तर एक भरोसा-सा भर दिया। इसके बाद मैं सीधे ओपीडी के बुखार था, किसी को त्वचा संबंधी परेशानी, कोई पुरानी बीमारी लेकर आया, तो कई छोटी-सी समस्या के साथ। मैंने दो दिनों के साथ-साथ उहने उनके रोगों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया। इलाज के साथ जागरूकी देना हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही, क्योंकि जागरूकता ही बीमारी को जड़ से मिटाने का बहला कदम है। 2 बजे के आसपास ओपीडी समाप्त होने पर टीकाकरण से संबंधित एक विश्वासीय बैठक में भी शामिल हुआ। यह मेरे लिए पहली सरकारी चिकित्सकीय बैठक थी, जिसने आने वाले समय के प्रश्नानुसन्धान कार्यों की जिमेदारी का भी एहसास कराया। जब शाम को घर लौटा, तो मन गहरे संतोष से भरा हुआ था। उस दिन एक अलग ही अनुभव जहन में हिलारे मार रहा था और

आपबीती

बचपन के विद्यालय के प्रांगण में कदम रखता हूँ, तो बीते हुए दिनों की यादें फिर आंखों के समक्ष तरंगे लगती हैं और लगती हैं और जैसे कल ही की बात हो। हालांकि विद्यालय को छोड़े हुए वार दशक का समय हो गया है, लेकिन बचपन जीवन का एक ऐसा क्षण है, जो भुलाए नहीं भूलता। रस्ते में हमारे क्षमताएं और क्षमताएं भी बदलती हैं। जो एक चबकर मंदिर की दीवारों में उत्कीर्ण देव प्रतिमाओं की श्रद्धापूर्वक चरण वंदना, पूजा-अर्चना कर रही थीं। वे इस कदर भक्ति में लौन थीं कि उनको हाथ ही नहीं थी कि वे किसी के साथ आई हैं, कोई उनका इंतजार कर

दीपक नौराई
लेखक, हल्द्दीनी

आज चंद बच्चों से शुरू हुआ यह सफर कई हजार बच्चों तक पहुंच गया है। यहाँ से पढ़े बच्चे कड़े क्षेत्रों में अपना नाम कमा रहे हैं। लखनऊ के वर्तमान मंडल आयुक्त भी इसी स्कूल से पढ़े हुए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि मैंने इस विद्यालय से कक्षा 10 तक शिक्षा प्राप्त की है। आज यह ही कभी आच्छा लगा हो। मेरी तथा अन्य लड़कों की ये यात्रा कोशिश करती थी कि किसी तरह म्यूजिक रूम में जाने से बच जाए। एक बार हमारी म्यूजिक सर के बाहर वहाँ में जाने से बच जाए थी। आज यात्रा नहीं कि गाना न गाने पर कितनी बार मेरी पिटाई हुई थी। मुझे संगीत का पीरियड शायद इसके दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर दोहरा में वापसी के लिए समीप ही वेरावल स्थित रेलवे स्टेशन से बंदेभारत पकड़ ली। जल्दबाजी में की गई यह यात्रा कई मायनों में अविस्मरणीय बन गई है। रास्ते भर उन दर्शनार्थ आने को सोचता हुआ मैं श्रीसोमजी के ख्यालों में खो गया।

दूसरे दिन प्रातः: हम लोगों ने पुक़: दिव्य दर्शन किए और आसापस के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर दोहरा में वापसी के लिए समीप ही वेरावल स्थित रेलवे स्टेशन से बंदेभारत पकड़ ली। जल्दबाजी में की गई यह यात्रा कई मायनों में अविस्मरणीय बन गया है। उनको देखकर मैं वैसे ही हथातीरेक से भर गया जैसे हनुमानजी मां सीता को अशोक वाटिका में पाकर खुश हुए थे। मैंने उनकी पूजा में बाधा उत्पन्न करते हुए ईश्वर आराधना में लौन उनके मन को वापस धरातल पर लाने हेतु आवाज दी और सूचित किया कि मंदिर बंद होने वाला है, हम लोगों को वापस चलकर भोजनादि करना है। दूसरे दिन थे वे विद्यालय के लिए तरह तरह म्यूजिक रूम से बच जाए थे। मेरी तथा अन्य लड़कों की ये यात्रा कोशिश करती थी कि किसी तरह म्यूजिक रूम के पास ले गए और पिटाई कर दोहरा में जाने से बच जाए। एक बार हमारी म्यूजिक सर के बाहर वहाँ में जाने से बच जाए थी

